एकवार्षिक स्नातकोत्तर परीक्षा पाठ्यक्रम

1- Year POST GRADUATE EXAMINATION SYLLABUS

आचार्य फलितज्योतिष

Acharya Falitajyotisha

(Programme Code – AC-FJY)

L.O.C.F.

अधिगम परिणाम-आधारित पाठ्यचर्या रूपरेखा

2025-2026

(ज्योतिष विभाग)

वेद-वेदाङ्ग एवं साहित्य सङ्काय

Faculty of Ved Vedanga evam Sahitya

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय

MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA

देवास मार्ग, उज्जैन (मध्यप्रदेश) भारत, पिन - 456010

Email:- regpsvvmp@rediffmail.com, Website:- www.mpsvv.ac.in

ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

परीक्षापाठ्यक्रम नियमावली

1. पाठ्यक्रम का स्वरूप -

अधिगम परिणाम-आधारित पाठ्यचर्या रूपरेखा (LOCF) पर आधारित एकवार्षिक आचार्य (फलितज्योतिष) परीक्षा (नियमित एवं स्वाध्यायी) का पाठ्यक्रम दो सत्रार्द्धों में विभक्त होगा। पाठ्यक्रम में प्रतिसत्रार्द्ध 5 प्रश्नपत्र होंगे। 5-5 क्रेडिट के चार अनिवार्य प्रश्नपत्र मूल विषय के होंगे। पाँचवें प्रश्नपत्र के रूप में 2 क्रेडिट के प्रशिक्षुता/सङ्गोष्ठी/मूल्याधारित पाठ्यक्रम आदि शासन द्वारा जारी अध्यादेश 14 (2) के अनुसार होंगे। छात्रों द्वारा VAC पाठ्यक्रम अन्य विषय से भी चयन किये जा सकेंगे। पाठ्यक्रम में प्रथम 4 प्रश्नपत्रों हेतु पूर्णाङ्क 100 है। जिसमें 40 अङ्कों का आन्तरिक मूल्याङ्कन तथा 60 अङ्कों की सैद्धान्तिक (बाह्य) परीक्षा होगी।

2. प्रवेशनियम

एकवार्षिक आचार्य (फलितज्योतिष) परीक्षा में निम्नलिखित परीक्षोत्तीर्ण छात्र प्रवेश प्राप्त कर सकेंगे -

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नईदिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से फलित विषय में चतुर्वार्षिक शास्त्री परीक्षा उत्तीर्ण छात्र प्रवेशार्ह होंगे ।

3. परीक्षायोजना

1. एकवार्षिक आचार्य (फलितज्योतिष) परीक्षा का माध्यम संस्कृत होगा। परियोजना प्रतिवेदन/लघुशोधप्रबन्ध की भाषा भी संस्कृत होगी ।

4. प्रश्नपत्रनिर्माणयोजना -

मुख्य पाठ्यक्रमों हेतु

प्रतिप्रश्नपत्र अधोलिखित अनुसार त्रिविध प्रश्न होंगे। उनमें प्रत्येक प्रश्न में एक विकल्प अनिवार्य रहेगा।

ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

क्रमांक	प्रश्नप्रकार	प्रश्नसङ्ख्या	अङ्क	योग
1	बहुविकल्पकीय	5	1	5
2	लघूत्तरीय/टिप्पण्यात्मक	5	3	15
3	निबन्धात्मक/व्याख्यात्मक	5	8	40
4	आन्तरिकमूल्याङ्कन			40
योग				100 अङ्क

VAC पाठ्यक्रमों हेतु

प्रतिप्रश्नपत्र अधोलिखित अनुसार त्रिविध प्रश्न होंगे। उनमें प्रत्येक प्रश्न में एक विकल्प अनिवार्य रहेगा।

क्रमांक	प्रश्नप्रकार	प्रश्नसङ्ख्या	अङ्क	योग
1	बहुविकल्पकीय	5	2	10
2	लघूत्तरीय/टिप्पण्यात्मक	5	6	30
3	निबन्धात्मक/व्याख्यात्मक	5	12	60
योग				100 अङ्क

5. ग्रेडिंगपद्धति-

एकवार्षिक आचार्य (फलित ज्योतिष) परीक्षा में परीक्षाफल प्रकाशन में ग्रेडिंग पद्धति अपनायी जाएगी।

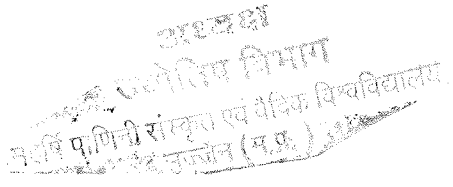

CONVERSION OF MARKS INTO GRADE AND GRADE POINT			
MARKS OBTAINED	GRADE	GRADE POINT	DESCRIPTION
> 90%	O	10	Outstanding
> 80%	A+	9	Excellent
>70%	A	8	Very Good
>60%	B+	7	Good
>50%	B	6	Above Average
>40%	C	5	Average
40%	P	4	Pass
<40%	F	0	Fail
Ab	Ab	0	Absent

Equivalent Percentage= CGPA X 10

The Maximum Marks per paper is fixed at 100

(If it is less or more than 100, convert it into 100 for grading)

Cumulative Grade Point Average

Based on the grades obtained in all the subjects registered for by a student, his or her cumulative Grade point Average Semester Grade Point Average (SGPA) and Cumulative Grade Point Average (CGPA) is calculated as follows:

$$\text{SGPA/CGPA} = \frac{\Sigma \text{ (No. of credits in Semester}_i \text{ * Grade Point in Semester}_i)}{\Sigma \text{ (No. of Credits in Semester}_i)}$$

अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

SGPA/CGPA is rounded off to the decimal Place.

- जो छात्र किसी सत्रार्द्ध के कुछ पाठ्यक्रमों (प्रश्नपत्रों) में अनुत्तीर्ण होते हैं, किन्तु यदि वे सत्रार्द्ध के कुल क्रेडिट (22) का 40% (अर्थात् 9 क्रेडिट) प्राप्त कर लेते हैं, तो उन्हें अनन्तिम रूप से अग्रिम सत्रार्द्ध में प्रोन्नत किया जावेगा तथा अनुत्तीर्ण पाठ्यक्रमों में उन्हें **एटीकेटी** प्राप्त होगी।
- शोध प्रबन्ध/परियोजना/सङ्गोष्ठी को पूर्ण न कर सके अथवा असफल रहे छात्रों को दो सत्रार्द्ध तक इन्हें दोहराने का अवसर मिलेगा। यदि दोनों सत्रार्द्ध में छात्र इन्हें पूर्ण नहीं कर सका, तो वह सम्बन्धित उपाधि का पात्र नहीं होगा।

6. उपलब्ध स्थान -

उक्त पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु उपलब्ध स्थान प्रवेश अधिसूचना द्वारा निर्धारित होंगे। प्रवेश के लिए उपलब्ध स्थानों पर राज्यशासन के नियमानुसार आरक्षण प्रदान किया जाएगा। अधिक प्रवेशार्थी होने की स्थिति में प्रत्येक सत्र में विश्वविद्यालय प्रशासन से स्थानवृद्धि की स्वीकृति प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

7. शुल्क -

छात्रों का प्रवेश शुल्क, परीक्षा तथा अन्य विभिन्न गतिविधियों का शुल्क विश्वविद्यालय के सम्बन्धित अध्यादेश के प्रावधानों के अनुसार निर्धारित किया जाएगा, जिन्हें समय-समय पर आवश्यक होने पर संशोधित किया जा सकेगा।

8. परीक्षा सञ्चालन एवं उपाधि की पात्रता -

प्रस्तुत पाठ्यक्रम की परीक्षा का सञ्चालन विश्वविद्यालय द्वारा सम्बन्धित अध्यादेशों में विहित प्रावधानों के अनुसार किया जायेगा। उक्त स्नातकोत्तर परीक्षा पूर्ण करने के पश्चात् उत्तीर्ण होने पर **एकवार्षिक आचार्य फलितज्योतिष** की उपाधि प्रदान की जाएगी।

9. अवधि-

अध्यादेश 14 (2) के अनुसार द्विवार्षिक स्नातकोत्तर कार्यक्रम को **अधिकतम दो वर्षों में पूर्ण करना अनिवार्य है।**

अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

10. सङ्गोष्ठी पाठ्यक्रम सञ्चालन- छात्रों द्वारा प्रथम अथवा तृतीय सत्रार्द्ध हेतु सङ्गोष्ठी पाठ्यक्रम चयन किये जाने पर विभागाध्यक्ष द्वारा सम्बद्ध विषय में मुख्य चार पाठ्यक्रमों पर आधारित सङ्गोष्ठी शीर्षकों की विस्तृत सूची जारी की जावेगी, जिन पर कक्षा में विमर्श किया जावे। परीक्षा आन्तरिक मूल्याङ्कन द्वारा सम्पादित की जावेगी। तृतीय सत्रार्द्ध के जो भी छात्र सङ्गोष्ठी पाठ्यक्रम स्वीकार करेंगे, उन्हें उस सत्रार्द्ध की अवधि में राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की न्यूनतम एक सङ्गोष्ठी/कार्यशाला/परिसंवाद में सहभागिता करना अनिवार्य होगा तथा सम्बन्धित सङ्गोष्ठी/कार्यशाला/परिसंवाद का प्रतिवेदन, प्रमाणपत्र एवं शोधपत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य रहेगा।

11. कार्यक्रम योजना

वर्ष/ सत्रार्द्ध		पाठ्यक्रम प्रकार				कुल क्रेडिट
		मुख्य पाठ्यक्रम एवं क्रेडिट		इन्टर्नशिप/ अप्रेंटिसशिप/ सङ्गोष्ठी अथवा VAC (CHM/ EEMC)		
		पाठ्यक्रम स्तर	मुख्य पाठ्यक्रम	क्रेडिट		
विकल्प- 1 (केवल पाठ्यक्रम कार्य)						
प्रथम वर्ष	प्रथम सत्रार्द्ध	500	CC-31 सिद्धान्तगणितम्	5	सङ्गोष्ठी (2 क्रेडिट)	22
		500	CC-32 जातकशास्त्रम्	5		
		500	CC-33 फलितविधानम्	5		
		500	CC-34 हस्तरेखाविज्ञानम्	5		

अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

	द्वितीय सत्रार्द्ध	500	CC-41 होराशास्त्रम्	5	VAC (CHM/ EEMC) (2 क्रेडिट)	22
		500	CC-42 वास्तुशास्त्रम्	5		
		500	CC-43 जातकशास्त्रम्	5		
		500	CC-44 कृषिविमर्शः * अथवा लघुशोधप्रबन्ध	5		
विकल्प- 2 (पाठ्यक्रम कार्य एवं शोध कार्य)						
द्वितीय वर्ष	प्रथम सत्रार्द्ध	500	CC-31 सिद्धान्तगणितम्	5	सङ्गोष्ठी (2 क्रेडिट)	22
		500	CC-32 जातकशास्त्रम्	5		
		500	CC-33 फलितविधानम्	5		
		500	CC-34 हस्तरेखाविज्ञानम्	5		
	द्वितीय सत्रार्द्ध	शोधनिबन्ध/ परियोजना/ पेटेन्ट (अन्तः अथवा बाह्य)				22
विकल्प- 3 (केवल शोध कार्य)						
द्वितीय वर्ष	प्रथम सत्रार्द्ध	शोधनिबन्ध/ परियोजना/ पेटेन्ट (अन्तः अथवा बाह्य)				22
	चतुर्थ सत्रार्द्ध	शोधनिबन्ध/ परियोजना/ पेटेन्ट (अन्तः अथवा बाह्य)				22

पाठ्यक्रम प्रकार

मुख्य पाठ्यक्रम (Core Course) CC- किसी विषय/कार्यक्रम का अनिवार्य पाठ्यक्रम जिसका उद्देश्य विषय/कार्यक्रम का आवश्यक मौलिक, व्यापक और उन्नत ज्ञान प्रदान करना है।

अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

मूल्य-संवर्धित पाठ्यक्रम (Value-Added Course) VAC - मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम विशिष्ट पाठ्यक्रम होते हैं जो छात्रों को नियमित पाठ्यक्रम से परे, किसी विशिष्ट क्षेत्र में अतिरिक्त कौशल, ज्ञान और विशेषज्ञता प्रदान करते हैं। ये पाठ्यक्रम छात्रों की रोज़गार क्षमता, करियर की संभावनाओं और व्यक्तिगत विकास को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं।

संवैधानिक, मानवीय और नैतिक मूल्य (Constitutional, Human and Moral) CHM- ये 'मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम' हैं जिनका उद्देश्य संवैधानिक, मानवीय एवं नैतिक मूल्यों तथा बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) पर शिक्षा एवं अभ्यास प्रदान करना है।

रोजगार एवं उद्यमिता कौशल पाठ्यक्रम (Employability and Entrepreneurship Skill Course) EEMC- रोजगार योग्यता एवं उद्यमिता कौशल पाठ्यक्रम एक ऐसा पाठ्यक्रम है, जिसका उद्देश्य रोजगार योग्यता कौशल को बढ़ाना और प्रमुख व्यक्तिगत विशेषताओं को विकसित करना है, जो रोजगार क्षमता पैदा करने और कार्यस्थल पर प्रभावी प्रदर्शन के लिए तैयार करने के लिए आवश्यक हैं।

प्रशिक्षुता (Internship)- इंटर्नशिप किसी व्यक्ति द्वारा किसी संगठन में काम करने के ढङ्ग को समझने के अतिरिक्त, किसी विशिष्ट कार्य या भूमिका के लिए कौशल योग्यता में सुधार और सीखने के अवसरों के साथ-साथ शोध क्षमताओं का निर्माण करने के लिए भी की जाती है। इंटर्नशिप इस प्रकार आयोजित की जानी चाहिए कि इससे इंटर्न के साथ-साथ इंटर्नशिप प्रदान करने वाले संगठन को भी लाभ हो।

कार्यस्थल के लिए आवश्यक सही दृष्टिकोण के साथ व्यावहारिक अनुभव और अनुभव विकसित करके स्नातकोत्तरों की रोजगार क्षमता में सुधार किया जा सकता है। इंटर्नशिप उन महत्वपूर्ण उपकरणों में से एक है जो इन रोजगार कौशलों को बेहतर बनाने में मदद करते हैं और छात्रों में रोजगार के लिए योग्यता, क्षमता, पेशेवर कार्य कौशल, विशेषज्ञता और आत्मविश्वास पैदा करने और शोध के प्रति रुचि/जुनून विकसित करने में मदद कर सकते हैं। इंटर्न कार्यस्थल में सिद्धांत के अनुप्रयोग को समझ सकते हैं। इंटर्नशिप को मोटे तौर पर दो प्रकारों में वर्गीकृत किया जा सकता है-

अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

i. रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए इंटर्नशिप

ii. शोध योग्यता विकसित करने के लिए इंटर्नशिप

शिक्षुता (Apprenticeship) - शिक्षुता प्रशिक्षण किसी भी उद्योग या प्रतिष्ठान में प्रशिक्षण का एक कोर्स है, जो नियोक्ता और शिक्षुओं के बीच शिक्षुता के अनुबंध के अनुसरण में और निर्धारित नियमों और शर्तों के अनुसार किया जाता है।

सङ्गोष्ठी (Seminar) – सङ्गोष्ठी गतिविधि आधारित पाठ्यक्रम हैं, जिनमें छात्र सामान्यतः अपनी कक्षा में तैयार किए गए प्रदत्त कार्य (Assignments), परियोजना (Project) / विषय बिन्दु तथा शीर्षक आधारित चर्चा (Theme & Topics) करते हैं।

अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

एकवार्षिक आचार्य फलितज्योतिष
सत्रार्द्ध परीक्षा पाठ्यक्रम

Acharya Falitajyotisha Syllabus

(Programme Code – AC-FJY)

प्रथम सत्रार्द्ध

2025-26

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,

देवासमार्ग, उज्जैन (म.प्र.) 456010

दूरभाष- (0734) 2526044, दूरप्रैष- (0734) 2524845

अणुसङ्केत - regpsvvmp@rediffmail.com, अन्तर्जालपुट- www.mpsvv.ac.in

अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

भाग-अ, परिचय Part A Introduction			
कार्यक्रम : उपाधि पाठ्यक्रम Program : Degree Course	कक्षा (Class) : आचार्य एकवार्षिक (Acharya 1 year)	सत्रार्द्ध : प्रथम Semester : I	सत्र (Session): 2025-26

विषय (Subject) : फलितज्योतिषम्			
1	पाठ्यक्रम का कूट (Course Code)	PGT-FJY 31	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title)	(CC- 31) सिद्धान्तगणितम् प्रथमप्रश्नपत्रम्	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार (Course Type) (Core Course/ Discipline Specific Elective/ Elective/ Generic Elective /Vocational/.....)	मुख्य विषय (Core Course)	
4	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (if any)	विश्वविद्यालयानुदानायोग-नवदेहलीद्वारा प्राप्तमान्यताविश्वविद्यालयस्य संस्थानस्य वा फलितज्योतिषविषये आचार्यद्वितीयसत्रार्द्धपरीक्षोत्तीर्णाः प्रवेष्टुमर्हाः।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियाँ (Course Learning outcomes) (CLO)	1. ग्रहनक्षत्रादियुतिः दर्शने सक्षमाः भविष्यन्ति। 2. उदयास्तविषये ज्ञानं भविष्यन्ति। 3. विविधकालमानानां तुलनात्मकमध्ययने कुशलाः भविष्यन्ति ।	
6	क्रेडिट मान (Credit Value)	5	
7	पूर्णांक (Total Marks)	Max. Marks: 40 + 60	Min. Passing Marks: 35
भाग-ब, पाठ्यक्रम की विषय वस्तु			

अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

Part B- Content of the Course		
व्याख्यान की सम्पूर्ण सङ्ख्या (प्रतिसप्ताह पाँच कालांश) Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 5 सम्पूर्ण व्याख्यान काल- पचहत्तर घण्टे (75 hours) L-T-P: 5-0-0		
इकाई (Unit)	शीर्षक (Topics)	व्याख्यान संख्या No. of Lectures 1 घण्टा (1 Hour Each)
1	ग्रहयुत्यधिकारः, भग्रहयुत्याधिकारश्च **गतिविधयः-** ग्रहयुतिः-भग्रहयुतीत्यादिनां परिचयः । ग्रह-भग्रहयुतिविषयक प्रायोगिकम् । भग्रहयुतिसम्बन्धि परिलेख निर्माणम् ।	15
2	उदयास्ताधिकारः **गतिविधयः-** ग्रह-नक्षत्राणां उदयास्तगणितसाधनम् । उदयास्तविषयक प्रायोगिकम् । उदयास्तसम्बन्धि परिलेख निर्माणम् ।	15
3	शृङ्गोनत्याधिकारः, पाताधिकारश्च **गतिविधयः-** शृङ्गोन्नति-पातगणितसाधनम् । चन्द्रस्य दृश्यादृश्यत्वविषये प्रायोगिकम् । शृङ्गोन्नतिः परिलेख निर्माणम् ।	15
4	भूगोलाध्यायः **गतिविधयः-** भूगोलस्वरूपं-भूमेरुत्पत्तिः विषये परिचयः । भूगोलस्य व्यावहारिकमध्ययनम् । ग्रहकक्षावृत्तस्य आरेख निर्माणम् ।	15

अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

5	मानाध्यायः, ज्योतिषोपनिष्दध्यायश्च **गतिविधयः-** नवविधकालमानविषयोपरि निबन्धलेखनम् । अयन-ऋतुपरिवर्तनसम्बन्धि आरेख निर्माणम् । खगोल-भगोल-भूगोलानां गोलकनिर्माणम् ।	15

कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tages) : ग्रहयुतिः, भग्रहयुतिः, शृङ्गोन्नतिः, नवविधकालमानम्, अयनम्, ऋतुः ।

भाग-स, अनुशंसित अध्ययन संसाधन

(Part C-Learning Resources)

पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्य संसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)

अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्यसामग्री-

सन्दर्भग्रन्थः –

1. सूर्यसिद्धान्तः, कपिलेश्वरशास्त्री, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशनम्, वाराणसी, 221001

साहाय्यग्रन्थाः –

1. सूर्यसिद्धान्तः, प्रो. रामचन्द्र पाण्डेयः, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशनम्, वाराणसी, 221001

Suggestive digital platforms/ web links-

अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाइन-पाठ्यक्रम

Suggested equivalent online courses:

1. Sanskrit.inira.fr/
2. learnsanskrit.cc/index
3. sanskrit.samskrutam.com
4. swayam.gov.in

भाग- द, अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि

(Part D-Assessment and Evaluation)

अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी पूर्णाङ्क (Maximum Marks) : 100 सतत व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE) : 40 Marks विश्वविद्यालयीय परीक्षाङ्क (University Exam) (UE): 60 Marks		
आन्तरिक मूल्याङ्कन (Internal Assessment) : सतत व्यापक मूल्याङ्कन (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE)	कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि (Class Test Assignment/Presentation)	40
बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) : : 03:00 विश्वविद्यालयीय परीक्षा University Exam Section समयः (Time) : 03.00 घण्टा (Hours)	अनुभाग अ – पाँच बहुविकल्पीय प्रश्न Section(A) : 5 Very Short Questions अनुभाग ब – पाँच लघूत्तरीय प्रश्न Section (B) : 5 Short Questions प्रत्येक दो सौ शब्द (200 words) अनुभाग स – पाँच दीर्घोत्तरीय प्रश्न Section (C) : 5 Long Questions प्रत्येक पाँच सौ शब्द (500 words)	60
Any remarks/ suggestions:		

अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

भाग-अ, परिचय Part A Introduction			
कार्यक्रम : उपाधि पाठ्यक्रम Program : Degree Course	कक्षा (Class) : आचार्य एकवार्षिक (Acharya 1 year)	सत्रार्द्ध : प्रथम Semester : I	सत्र (Session): 2025-26

विषय (Subject) : फलितज्योतिषम्			
1	पाठ्यक्रम का कूट (Course Code)	PGT-FJY 32	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title)	(CC- 32) जातकशास्त्रम् द्वितीयप्रश्नपत्रम्	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार (Course Type) (Core Course/ Discipline Specific Elective/ Elective/ Generic Elective /Vocational/.....)	मुख्य विषय (Core Course)	
4	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (if any)	विश्वविद्यालयानुदानायोग-नवदेहलीद्वारा प्राप्तमान्यताविश्वविद्यालयस्य संस्थानस्य वा फलितज्योतिषविषये आचार्यद्वितीयसत्रार्द्धपरीक्षोत्तीर्णाः प्रवेष्टुमर्हाः।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियाँ (Course Learning outcomes) (CLO)	1. ज्योतिषशास्त्रे वर्णितारिष्टारिष्टभङ्गादि योगानां लक्षणानि ज्ञास्यन्ति । 2. राजयोगादीनां ज्ञानं प्राप्स्यन्ते । 3. गजकेसर्यादिप्रमुखयोगानां कुण्डली माध्यमेन लक्षणानि फलञ्च कर्तुं निपुणाः भविष्यन्ति ।	
6	क्रेडिट मान (Credit Value)	5	
7	पूर्णांक (Total Marks)	Max. Marks: 40 + 60	Min. Passing Marks: 35

भाग-ब, पाठ्यक्रम की विषय वस्तु

Part B- Content of the Course

व्याख्यान की सम्पूर्ण सङ्ख्या (प्रतिसप्ताह पाँच कालांश)

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 5

सम्पूर्ण व्याख्यान काल- पचहत्तर घण्टे (75 hours)

L-T-P: 5-0-0

इकाई (Unit)	शीर्षक (Topics)	व्याख्यान संख्या No. of Lectures 1 घण्टा (1 Hour Each)
1	वियोनिजन्माध्यायः **गतिविधयः-** वियोनिजन्मयोगोपरि निबन्धलेखनम् । चतुष्पदजन्मयोगानां चित्रनिर्माणम् ।	15
2	अरिष्टाध्यायः **गतिविधयः-** अरिष्टविषयोपरि निबन्धलेखनम् । अरिष्टविचारोपरि वक्तृत्वस्पर्धायाः आयोजनम् ।	15
3	जातकभङ्गाध्यायः **गतिविधयः-** जातकभङ्गविषयोपरि निबन्धलेखनम् । राजभङ्गयोगोपरि वक्तृत्वस्पर्धायाः आयोजनम् ।	15
4	राजयोगाध्याये आदितः लग्नाधियोगफलपर्यन्तम् **गतिविधयः-** लग्नाधियोगसम्बन्धि आरेख निर्माणम् । राजयोगोपरि वक्तृत्वस्पर्धायाः आयोजनम् ।	15

पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

5	राजयोगाध्याये गजकेसरीयोगतः समाप्तिपर्यन्तम् **गतिविधयः-** गजकेसरी-शकटयोगानां आरेख निर्माणम् । राजयोगस्य सारिणी निर्माणम् ।	15

कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tages) : राजभङ्गयोगः, गजकेसरी, शकटः, जातकभङ्गः ।

भाग-स, अनुशंसित अध्ययन संसाधन

(Part C-Learning Resources)

पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्य संसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)

अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्यसामग्री-

सन्दर्भग्रन्थः –

1.जातकपारिजातः, व्याख्याकारः – कपिलेश्वरशास्त्री, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशनम्, वाराणसी

साहाय्यग्रन्थाः –

1.जातकपारिजातः, डॉ. हरिशङ्करपाठकः, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशनम्, वाराणसी, 221001

Suggestive digital platforms/ web links-

अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाइन-पाठ्यक्रम

Suggested equivalent online courses:

1. Sanskrit.inira.fr/

2. learnsanskrit.cc/index

3.sanskrit.samskrutam.com

4.swayam.gov.in

भाग- द, अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि

(Part D-Assessment and Evaluation)

ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी पूर्णाङ्क (Maximum Marks) : 100 सतत व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE) : 40 Marks विश्वविद्यालयीय परीक्षाङ्क (University Exam) (UE): 60 Marks		
आन्तरिक मूल्याङ्कन (Internal Assessment) : सतत व्यापक मूल्याङ्कन (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE)	कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि (Class Test Assignment/Presentation)	40
बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) : : 03:00 विश्वविद्यालयीय परीक्षा University Exam Section समयः (Time) : 03.00 घण्टा (Hours)	अनुभाग अ – पाँच बहुविकल्पीय प्रश्न Section(A) : 5 Very Short Questions अनुभाग ब – पाँच लघूत्तरीय प्रश्न Section (B) : 5 Short Questions प्रत्येक दो सौ शब्द (200 words) अनुभाग स – पाँच दीर्घोत्तरीय प्रश्न Section (C) : 5 Long Questions प्रत्येक पाँच सौ शब्द (500 words)	60
Any remarks/ suggestions:		

ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

भाग-अ, परिचय Part A Introduction			
कार्यक्रम : उपाधि पाठ्यक्रम Program : Degree Course	कक्षा (Class) : आचार्य एकवार्षिक (Acharya 1 year)	सत्रार्द्ध : प्रथम Semester : I	सत्र (Session): 2025-26

विषय (Subject) : फलितज्योतिषम्			
1	पाठ्यक्रम का कूट (Course Code)	PGT-FJY 33	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title)	(CC- 33) फलितविधानम् तृतीयप्रश्नपत्रम्	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार (Course Type) (Core Course/ Discipline Specific Elective/ Elective/ Generic Elective /Vocational/.....)	मुख्य विषय (Core Course)	
4	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (if any)	विश्वविद्यालयानुदानायोग-नवदेहलीद्वारा प्राप्तमान्यताविश्वविद्यालयस्य संस्थानस्य वा फलितज्योतिषविषये आचार्यद्वितीयसत्रार्द्धपरीक्षोत्तीर्णाः प्रवेष्टुमर्हाः।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियाँ (Course Learning outcomes) (CLO)	1. भावाश्रितफलकथने सक्षमाः भविष्यन्ति । 2. आयुर्योनिर्णयञ्च कर्तुं सिद्धाः भविष्यन्ति । 3. अष्टकवर्गगोचरफलञ्च ज्ञातुं कुशलाः भविष्यन्ति ।	
6	क्रेडिट मान (Credit Value)	5	
7	पूर्णांक (Total Marks)	Max. Marks: 40 + 60	Min. Passing Marks: 35

अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

भाग-ब, पाठ्यक्रम की विषय वस्तु Part B- Content of the Course		
व्याख्यान की सम्पूर्ण सङ्ख्या (प्रतिसप्ताह पाँच कालांश) Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 5 सम्पूर्ण व्याख्यान काल- पचहत्तर घण्टे (75 hours) L-T-P: 5-0-0		
इकाई (Unit)	शीर्षक (Topics)	व्याख्यान संख्या No. of Lectures 1 घण्टा (1 Hour Each)
1	अ.05 कर्मजीवभेदाध्यायः, अ.06 राजयोगभेदाध्यायः , अ.07 महाराजयोगभेदाध्यायः **गतिविधयः-** महाराजयोगविषयोपरि निबन्धलेखनम् । राजयोगभेदोपरि वक्तृत्वस्पर्धायाः आयोजनम् ।	15
2	अ.08 भावाश्रयफलभेदाध्यायः, अ.09 राशिफलम्, अ.10 कलत्रभावफलम्, अ.11 स्त्रीजातकम् **गतिविधयः-** राशिफलविषयोपरि निबन्धलेखनम् । भावाश्रयफलविषयोपरि भाषणस्पर्धायाः आयोजनम् ।	15
3	अ.12 पुत्रभावफलभावः 34, अ.13 आयुर्भावः ,अ.14 रोगनिर्णयः **गतिविधयः-** रोगनिर्णयविषयोपरि निबन्धलेखनम् । आयुर्भावविषयोपरि वक्तृत्वस्पर्धायाः आयोजनम् ।	15
4	अ.15 भावचिन्ता, अ.16 द्वादशभावफलम्, अ.19 दशाफलम्, अ.20 अन्तर्दशाफलम् **गतिविधयः-** दशाफलविषयोपरि निबन्धलेखनम् । द्वादशभावफलविषयोपरि भाषणस्यायोजनम् ।	15

अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

5	अ.23 अष्टकवर्गः, अ.24 अष्टकवर्गफलम्, अ.26 गोचरफलम् **गतिविधयः-** अष्टकवर्गफलविषयोपरि निबन्धलेखनम् । गोचरफलविषयोपरि वक्तृत्वस्पर्धायाः आयोजनम् । अष्टकवर्गचक्र निर्माणम् ।	15

कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tages) : दशा, अन्तर्दशा, अष्टकवर्गः, गोचरः ।

भाग-स, अनुशंसित अध्ययन संसाधन

(Part C-Learning Resources)

पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्य संसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)

अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्यसामग्री-

सन्दर्भग्रन्थः –

1.फलदीपिका, टीकाकार – पं गोपेश कुमार ओझा, मोतीलाल बनारसीदास

Suggestive digital platforms/ web links-

अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाइन-पाठ्यक्रम

Suggested equivalent online courses:

1. Sanskrit.inira.fr/
2. learnsanskrit.cc/index
3.sanskrit.samskrutam.com
4.swayam.gov.in

भाग- द, अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि

(Part D-Assessment and Evaluation)

अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी

पूर्णाङ्क (Maximum Marks) : 100

ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

सतत व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE) : 40 Marks विश्वविद्यालयीय परीक्षाङ्क (University Exam) (UE): 60 Marks		
आन्तरिक मूल्याङ्कन (Internal Assessment) : सतत व्यापक मूल्याङ्कन (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE)	**कक्षा परीक्षण :** **प्रस्तुतिकरण/लिखित परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि** (Class Test Assignment/Presentation)	40
बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) : **: 03:00** विश्वविद्यालयीय परीक्षा University Exam Section समयः (Time) : 03.00 घण्टा (Hours)	अनुभाग अ – पाँच बहुविकल्पीय प्रश्न **Section(A) : 5 Very Short Questions** अनुभाग ब – पाँच लघूत्तरीय प्रश्न **Section (B) : 5 Short Questions** प्रत्येक दो सौ शब्द (200 words) अनुभाग स – पाँच दीर्घोत्तरीय प्रश्न **Section (C) : 5 Long Questions** प्रत्येक पाँच सौ शब्द (500 words)	60
Any remarks/ suggestions:		

ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

भाग-अ, परिचय Part A Introduction			
कार्यक्रम : उपाधि पाठ्यक्रम Program : Degree Course	कक्षा (Class) : आचार्य एकवार्षिक (Acharya 1 year)	सत्रार्द्ध : प्रथम Semester : I	सत्र (Session): 2025-26

विषय (Subject) : फलितज्योतिषम्			
1	पाठ्यक्रम का कूट (Course Code)	PGT-FJY 34	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title)	(CC- 34) हस्तरेखाविज्ञानम् चतुर्थप्रश्नपत्रम्	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार (Course Type) (Core Course/ Discipline Specific Elective/ Elective/ Generic Elective /Vocational/.....)	मुख्य विषय (Core Course)	
4	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (if any)	विश्वविद्यालयानुदानायोग-नवदेहलीद्वारा प्राप्तमान्यताविश्वविद्यालयस्य संस्थानस्य वा फलितज्योतिषविषये आचार्यद्वितीयसत्रार्द्धपरीक्षोत्तीर्णाः प्रवेष्टुमर्हाः।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियाँ (Course Learning outcomes) (CLO)	1. हस्तरेखादिज्ञाने सक्षमाः भविष्यन्ति। 2. अङ्गलक्षणादिभिः फलकर्तुं सिद्धाः भविष्यन्ति। 3. सामुद्रिकशास्त्ररीत्या फलकथने कुशलाः भविष्यन्ति।	
6	क्रेडिट मान (Credit Value)	5	
7	पूर्णांक (Total Marks)	Max. Marks: 40 + 60	Min. Passing Marks: 35

ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

भाग-ब, पाठ्यक्रम की विषय वस्तु Part B- Content of the Course		
व्याख्यान की सम्पूर्ण सङ्ख्या (प्रतिसप्ताह पाँच कालांश) Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 5 सम्पूर्ण व्याख्यान काल- पचहत्तर घण्टे (75 hours) L-T-P: 5-0-0		
इकाई (Unit)	शीर्षक (Topics)	व्याख्यान संख्या No. of Lectures 1 घण्टा (1 Hour Each)
1	हस्तसंजीवनम् – दर्शनाधिकारः **गतिविधयः-** हस्तदर्शनस्य व्यावहारिकान्वेषणम् । हस्तेक्षणे शुभाशुभफलविषयोपरि भाषणस्यायोजनम् ।	15
2	हस्तसंजीवनम् – स्पर्शाधिकारः **गतिविधयः-** नष्टवस्तूनां लाभालाभविषयोपरि भाषणस्यायोजनम् । यात्रायां हस्तरेखाविचारविषयोपरि निबन्धलेखनम्।	15
3	हस्तसंजीवनम् – रेखाविमर्शनाधिकारः **गतिविधयः-** आयुविचारोपरि निबन्धलेखनम् । करतललक्षणस्य व्यावहारिकावलोकनम् ।	15
4	हस्तसंजीवनम् – करस्पष्टाधिकारः **गतिविधयः-** स्त्री-पुरुषाणां हस्तरेखाविचारोपरि निबन्धलेखनम् । हस्तरेखे रोगविचारः इति विषयोपरि भाषणस्यायोजनम् ।	15

अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

5	कीरो आदि पाश्चात्यहस्तरेखाविज्ञानस्य समीक्षा **गतिविधयः-** पाश्चात्यहस्तरेखाविज्ञानविषयोपरि निबन्धलेखनम् ।	15

कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tages) : हस्तरेखा, कीरो, हस्तसंजीवनम्

भाग-स, अनुशंसित अध्ययन संसाधन

(Part C-Learning Resources)

पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्य संसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)

अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्यसामग्री-

सन्दर्भग्रन्थः –

1. हस्तसंजीवनम् (मेघविजयगणिविरचितम्), सुरकान्त झा, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन ।

साहाय्यग्रन्थाः –

1. सचित्रसामुद्रिकरहस्यम्, ज्येतिषप्रकाशनम्, चौक (चित्रा के सामने) वाराणसी, 221001

Suggestive digital platforms/ web links-

अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाइन-पाठ्यक्रम

Suggested equivalent online courses:

1. Sanskrit.inira.fr/
2. learnsanskrit.cc/index
3.sanskrit.samskrutam.com
4.swayam.gov.in

भाग- द, अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि

(Part D-Assessment and Evaluation)

अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी

पूर्णाङ्क (Maximum Marks) : 100

अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

सतत व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE) : 40 Marks विश्वविद्यालयीय परीक्षाङ्क (University Exam) (UE): 60 Marks		
आन्तरिक मूल्याङ्कन (Internal Assessment) : सतत व्यापक मूल्याङ्कन (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE)	**कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि** (Class Test Assignment/Presentation)	40
बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) : **: 03:00** विश्वविद्यालयीय परीक्षा University Exam Section समयः (Time) : 03.00 घण्टा (Hours)	अनुभाग अ – पाँच बहुविकल्पीय प्रश्न **Section(A) : 5 Very Short Questions** अनुभाग ब – पाँच लघूत्तरीय प्रश्न **Section (B) : 5 Short Questions** प्रत्येक दो सौ शब्द (200 words) अनुभाग स – पाँच दीर्घोत्तरीय प्रश्न **Section (C) : 5 Long Questions** प्रत्येक पाँच सौ शब्द (500 words)	60
Any remarks/ suggestions:		

अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

एकवार्षिक आचार्य फलितज्योतिष

सत्रार्द्ध परीक्षा पाठ्यक्रम

Acharya Falitajyotisha Syllabus

(Programme Code – AC-FJY)

द्वितीय सत्रार्द्ध

2025-26

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, देवासमार्ग,

उज्जैन (म.प्र.) 456010

दूरभाष- (0734) 2526044, दूरप्रैष- (0734) 2524845

अणुसङ्केत - regpsvvmp@rediffmail.com, अन्तर्जालपुट- www.mpsvv.ac.in

ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

भाग-अ, परिचय Part A Introduction			
कार्यक्रम : उपाधि पाठ्यक्रम Program : Degree Course	कक्षा (Class) : आचार्य एकवार्षिक (Acharya 1 year)	सत्रार्द्ध : द्वितीय Semester : II	सत्र (Session): 2025-26

विषय (Subject) : फलितज्योतिषम्			
1	पाठ्यक्रम का कूट (Course Code)	PGT-FJY 41	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title)	(CC- 41) होराशास्त्रम् प्रथमप्रश्नपत्रम्	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार (Course Type) (Core Course/ Discipline Specific Elective/ Elective/ Generic Elective /Vocational/.....)	मुख्य विषय (Core Course)	
4	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (if any)	विश्वविद्यालयानुदानायोग-नवदेहलीद्वारा प्राप्तमान्यताविश्वविद्यालयस्य संस्थानस्य वा फलितज्योतिषविषये आचार्यतृतीयसत्रार्द्धपरीक्षोत्तीर्णाः प्रवेष्टुमर्हाः।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियाँ (Course Learning outcomes) (CLO)	1. पलभा-लग्नादिसाधने निपुणाः भविष्यन्ति। 2. ग्रहाणां बलाबलज्ञानं करिष्यन्ति। 3. विविधयोगान् ज्ञास्यन्ति आयुर्दायसाधने च कुशलाः भविष्यन्ति।	
6	क्रेडिट मान (Credit Value)	5	
7	पूर्णांक (Total Marks)	Max. Marks: 40 + 60	Min. Passing Marks: 35

अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

भाग-ब, पाठ्यक्रम की विषय वस्तु Part B- Content of the Course		
व्याख्यान की सम्पूर्ण सङ्ख्या (प्रतिसप्ताह पाँच कालांश) Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 5 सम्पूर्ण व्याख्यान काल- पचहत्तर घण्टे (75 hours) L-T-P: 5-0-0		
इकाई (Unit)	शीर्षक (Topics)	व्याख्यान संख्या No. of Lectures 1 घण्टा (1 Hour Each)
1	अ.05 लग्नाध्यायः, अ.07 षोडशवर्गाध्यायः, अ.09 राशिदृष्टिकथनाध्यायः, अ.11 अरिष्टविवेचनाध्यायः, अ.12 अरिष्टभङ्गाध्यायः **गतिविधयः-** अरिष्टविषयोपरि निबन्धलेखनम् । अरिष्टभङ्गोपरि वक्तृत्वस्पर्धायाः आयोजनम् । षोडशवर्गचक्रस्य निर्माणम् ।	15
2	अ.27 अप्रकाशयग्रहफलाध्यायः, अ.28 ग्रहस्पष्टदृष्टिविवेचनाध्यायः, अ.29 स्पष्टबलाध्यायः, अ.30 इष्टकष्टाध्यायः, अ.31 पदाध्यायः, अ.32 उपपदाध्यायः **गतिविधयः-** ग्रहदृष्टिविषयोपरि निबन्धलेखनम् । स्पष्टबलविचारोपरि वक्तृत्वस्पर्धायाः आयोजनम् ।	15
3	अ.36 योगकारकाध्यायः. 37. नाभसयोगाध्यायः, अ.38 विविधयोगाध्यायः, अ.39 चन्द्रयोगाध्यायः, अ.45 आयुर्दायाध्यायः	15

अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

	गतिविधयः- आयुर्दायविषयोपरि निबन्धलेखनम् । योगकारकग्रहोपरि वक्तृत्वस्पर्धायाः आयोजनम् ।	
4	मान्द्यब्दादिफलाध्यायेजन्मनक्षत्रफलपर्यन्तम् **गतिविधयः-** जन्मनक्षत्रफलविषयोपरि निबन्धलेखनम् ।	15
5	मान्द्यब्दादिफलाध्याये द्वादशराशिजन्फलतः समाप्तिपर्यन्तम् **गतिविधयः-** द्वादशराशिजन्फलविचारोपरि वक्तृत्वस्पर्धायाः आयोजनम् ।	15

कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tages) : नाभसयोगः, ग्रहदृष्टिः, स्पष्टबलम्, आयुर्दायः

भाग-स, अनुशंसित अध्ययन संसाधन

(Part C-Learning Resources)

पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्य संसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)

अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्यसामग्री-

सन्दर्भग्रन्थः –

1. बृहत्पाराशरहोराशास्त्रम्, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशनम्, वाराणसी, 221001
2. जातकपारिजातः, व्याख्याकारः – कपिलेश्वरशास्त्री, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशनम्, वाराणसी

साहाय्यग्रन्थाः –

1. बृहत्पाराशरहोराशास्त्रम्, रञ्जनपब्लिकेशन्स, 16, अन्सारी रोड,दरियागंज, नई दिल्ली

Suggestive digital platforms/ web links-

अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाइन-पाठ्यक्रम

Suggested equivalent online courses:

1. Sanskrit.inira.fr/
2. learnsanskrit.cc/index

अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक वि...

3.sanskrit.samskrutam.com 4.swayam.gov.in
भाग- द, अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि **(Part D-Assessment and Evaluation)**
अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी पूर्णाङ्क (Maximum Marks) : 100 सतत व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE) : 40 Marks विश्वविद्यालयीय परीक्षाङ्क (University Exam) (UE): 60 Marks

आन्तरिक मूल्याङ्कन (Internal Assessment) : सतत व्यापक मूल्याङ्कन (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE)	**कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि** (Class Test Assignment/Presentation)	40
बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) : **: 03:00** विश्वविद्यालयीय परीक्षा University Exam Section समयः (Time) : 03.00 घण्टा (Hours)	अनुभाग अ – पाँच बहुविकल्पीय प्रश्न **Section(A) : 5 Very Short Questions** अनुभाग ब – पाँच लघूत्तरीय प्रश्न **Section (B) : 5 Short Questions**	60

ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

	प्रत्येक दो सौ शब्द (200 words) अनुभाग स – पाँच दीर्घोत्तरीय प्रश्न Section (C) : 5 Long Questions प्रत्येक पाँच सौ शब्द (500 words)	
Any remarks/ suggestions:		

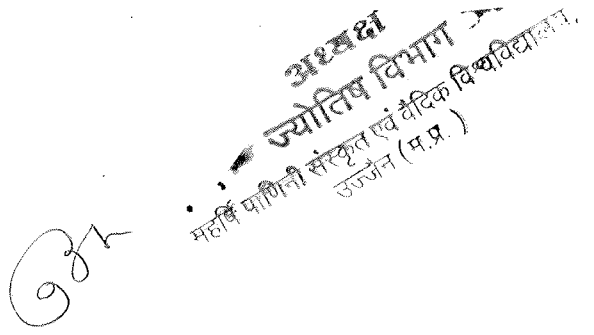

भाग-अ, परिचय Part A Introduction			
कार्यक्रम : उपाधि पाठ्यक्रम Program : Degree Course	कक्षा (Class) : आचार्य एकवार्षिक (Acharya 1 year)	सत्रार्द्ध : द्वितीय Semester : II	सत्र (Session): 2025-26

विषय (Subject) : फलितज्योतिषम्			
1	पाठ्यक्रम का कूट (Course Code)	PGT-FJY 42	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title)	(CC- 42) वास्तुशास्त्रम् द्वितीयप्रश्नपत्रम्	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार (Course Type) (Core Course/ Discipline Specific Elective/ Elective/ Generic Elective /Vocational/.....)	मुख्य विषय (Core Course)	
4	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (if any)	विश्वविद्यालयानुदानायोग-नवदेहलीद्वारा प्राप्तमान्यताविश्वविद्यालयस्य संस्थानस्य वा फलितज्योतिषविषये आचार्यतृतीयसत्रार्द्धपरीक्षोत्तीर्णाः प्रवेष्टुमर्हाः।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियाँ (Course Learning outcomes) (CLO)	1. वास्तोः मूलभूतसिद्धान्तानां परिज्ञानं करिष्यन्ति । 2. देवप्रतिमास्थापनामुखादिन्यासे सिद्धाः भविष्यन्ति । 3. वास्तोः जीर्णोद्धारे निपुणाः भविष्यन्ति ।	
6	क्रेडिट मान (Credit Value)	5	
7	पूर्णांक (Total Marks)	Max. Marks: 40 + 60	Min. Passing Marks: 35

भाग-ब, पाठ्यक्रम की विषय वस्तु

अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

Part B- Content of the Course		
व्याख्यान की सम्पूर्ण सङ्ख्या (प्रतिसप्ताह पाँच कालांश) Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 5 सम्पूर्ण व्याख्यान काल- पचहत्तर घण्टे (75 hours) L-T-P: 5-0-0		
इकाई (Unit)	शीर्षक (Topics)	व्याख्यान संख्या No. of Lectures 1 घण्टा (1 Hour Each)
1	**सामान्यसिद्धान्ताः मनुष्यालयचन्द्रिका-** अ.01 भूपरिक्षापरिग्रहः, अ.02 दिङ्निर्णयादिशुभवीथीपरिग्रहवास्तुदेवतानिर्णयः **गतिविधयः-** भूपरिक्षाविषयोपरि निबन्धलेखनम् । शुभवीथीपरिग्रहवास्तुदेवतानिर्णयोपरि वक्तृत्वस्पर्धायाः आयोजनम् ।	15
2	अ.03 मानभेदयोन्यायव्ययादिनिर्णयः, अ.04 गृहाणामिष्टदीर्घविस्तारशालाभेदादिनिर्णयः **गतिविधयः-** गृहाणामिष्टदीर्घविस्तारशालाभेदादिनिर्णयविषयोपरि निबन्धलेखनम् ।	15
3	**प्रासादमण्डनम्-** अ.01 मिश्रकलक्षणम् श्लो. एकादशतः (11तः) समाप्तिपर्यन्तम्, अ.02 जगतीदृष्टिदोषायतनाधिकारः श्लो.27 तः समाप्तिपर्यन्तम् **गतिविधयः-** प्रासादायां विविधप्रतिमायाः प्रायोगिकमध्ययनम् ।	15

अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

4	**प्रासादमण्डनम्-** अ.04 प्रतिमादृष्टिस्थानशिखरध्वजकलशलक्षणाधिकारः **गतिविधयः-** प्रतिमादृष्टि-स्थान-शिखर-ध्वज-कलशादि लक्षणस्योपरि निबन्धलेखनम् ।	15
5	**प्रासादमण्डनम्-** अ.08 जीर्णोद्धारविधिदोषार्देवपुरराजपुराणिमण्डपस्य दिङ्निर्देशादि **गतिविधयः-** जीर्णोद्धारविधिः विषयोपरि निबन्धलेखनम् ।	15

कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tages) : प्रतिमा, शालाभेदः, जीर्णोद्धारः

भाग-स, अनुशंसित अध्ययन संसाधन

(Part C-Learning Resources)

पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्य संसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)

अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्यसामग्री-

सन्दर्भग्रन्थः –

1. प्रासादमण्डनम्, डॉ.श्रीकृष्ण जुगनू, परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली ।
2. मनुष्यालयचन्द्रिका, डॉ.शैलजा पाण्डेय, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशनम्,वाराणसी ।

Suggestive digital platforms/ web links-

अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाइन-पाठ्यक्रम

Suggested equivalent online courses:

1. Sanskrit.inira.fr/
2. learnsanskrit.cc/index
3.sanskrit.samskrutam.com
4.swayam.gov.in

भाग- द, अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि

अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग

(Part D-Assessment and Evaluation)		
अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी पूर्णाङ्क (Maximum Marks) : 100 सतत व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE) : 40 Marks विश्वविद्यालयीय परीक्षाङ्क (University Exam) (UE): 60 Marks		
आन्तरिक मूल्याङ्कन (Internal Assessment) : सतत व्यापक मूल्याङ्कन (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE)	कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि (Class Test Assignment/Presentation)	40
बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) : : 03:00 विश्वविद्यालयीय परीक्षा University Exam Section समयः (Time) : 03.00 घण्टा (Hours)	अनुभाग अ – पाँच बहुविकल्पीय प्रश्न Section(A) : 5 Very Short Questions अनुभाग ब – पाँच लघूत्तरीय प्रश्न Section (B) : 5 Short Questions प्रत्येक दो सौ शब्द (200 words) अनुभाग स – पाँच दीर्घोत्तरीय प्रश्न Section (C) : 5 Long Questions प्रत्येक पाँच सौ शब्द (500 words)	60
Any remarks/ suggestions:		

अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

भाग-अ, परिचय Part A Introduction			
कार्यक्रम : उपाधि पाठ्यक्रम Program : Degree Course	कक्षा (Class) : आचार्य एकवार्षिक (Acharya 1 year)	सत्रार्द्ध : द्वितीय Semester : II	सत्र (Session): 2025-26

विषय (Subject) : फलितज्योतिषम्			
1	पाठ्यक्रम का कूट (Course Code)	PGT-FJY 43	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title)	(CC- 43) जातकशास्त्रम् तृतीयप्रश्नपत्रम्	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार (Course Type) (Core Course/ Discipline Specific Elective/ Elective/ Generic Elective /Vocational/.....)	मुख्य विषय (Core Course)	
4	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (if any)	विश्वविद्यालयानुदानायोग-नवदेहलीद्वारा प्राप्तमान्यताविश्वविद्यालयस्य संस्थानस्य वा फलितज्योतिषविषये आचार्यतृतीयसत्रार्द्धपरीक्षोत्तीर्णाः प्रवेष्टुमर्हाः।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियाँ (Course Learning outcomes) (CLO)	1. होरास्कन्धस्य विशिष्टज्ञानं प्राप्स्यन्ते । 2. जन्माङ्गाधारेण विविधयोगानामध्ययनं करिष्यन्ति । 3. द्वादशभावादीनां फलनिरूपणं कर्तुं सक्षमाः भविष्यन्ति ।	
6	क्रेडिट मान (Credit Value)	5	
7	पूर्णांक (Total Marks)	Max. Marks: 40 + 60	Min. Passing Marks: 35

ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

भाग-ब, पाठ्यक्रम की विषय वस्तु Part B- Content of the Course		
व्याख्यान की सम्पूर्ण सङ्ख्या (प्रतिसप्ताह पाँच कालांश) Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 5 सम्पूर्ण व्याख्यान काल- पचहत्तर घण्टे (75 hours) L-T-P: 5-0-0		
इकाई (Unit)	शीर्षक (Topics)	व्याख्यान संख्या No. of Lectures 1 घण्टा (1 Hour Each)
1	सारावली -प्रथमतः पञ्चमाध्यायपर्यन्तम् **गतिविधयः-** कालपुरुषस्य आत्मादिविभागसहितं चित्रनिर्माणम् । ग्रहाणां दीप्तावस्थादि विषयोपरि निबन्धलेखनम् ।	15
2	सारावली -षडाध्यायतः दशमोध्यायपर्यन्तम् **गतिविधयः-** कारकादि ग्रहाणां सारिणी निर्माणम् । अरिष्टयोगोपरि निबन्धलेखनम् ।	15
3	सारावली -एकादशतः चतुर्दशोध्यायपर्यन्तम्, एकविंशोध्यायतः त्रयोविंशोध्यायपर्यन्तम् **गतिविधयः-**	15

अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

	अनफा-सुनफादि योगानां सारिणी निर्माणम् । अरिष्टयोगोपरि निबन्धलेखनम् ।	
4	सारावली -पञ्चत्रिंशोध्यायः, सप्तत्रिंशोध्यायः, अष्टत्रिंशोध्यायः **गतिविधयः-** विविध राजयोगानां सारिणी निर्माणम् । पञ्चमहापुरुषयोगोपरि निबन्धलेखनम् ।	15
5	सारावली -चत्वारिंशोध्यायः, द्विचत्वारिंशोध्यायः **गतिविधयः-** ग्रहाणामन्तर्दशा सारिणी निर्माणम् । ग्रहाणां महादशाफलविषयोपरि निबन्धलेखनम् ।	15
कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tages) : राजयोगः, पञ्चमहापुरुषयोगः, महादशा, अन्तरदर्शा		
भाग-स, अनुशंसित अध्ययन संसाधन **(Part C-Learning Resources)**		
पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्य संसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)		
अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्यसामग्री- सन्दर्भग्रन्थः – 1. सारावली, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी । Suggestive digital platforms/ web links-		
अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाइन-पाठ्यक्रम Suggested equivalent online courses: 1. Sanskrit.inira.fr/ 2. learnsanskrit.cc/index 3.sanskrit.samskrutam.com 4.swayam.gov.in		
भाग- द, अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि		

अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

(Part D-Assessment and Evaluation)		
अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी पूर्णाङ्क (Maximum Marks) : 100 सतत व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE) : 40 Marks विश्वविद्यालयीय परीक्षाङ्क (University Exam) (UE): 60 Marks		
आन्तरिक मूल्याङ्कन (Internal Assessment) : सतत व्यापक मूल्याङ्कन (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE)	कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि (Class Test Assignment/Presentation)	40
बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) : : 03:00 विश्वविद्यालयीय परीक्षा University Exam Section समयः (Time) : 03.00 घण्टा (Hours)	अनुभाग अ – पाँच बहुविकल्पीय प्रश्न Section(A) : 5 Very Short Questions अनुभाग ब – पाँच लघूत्तरीय प्रश्न Section (B) : 5 Short Questions प्रत्येक दो सौ शब्द (200 words) अनुभाग स – पाँच दीर्घोत्तरीय प्रश्न Section (C) : 5 Long Questions प्रत्येक पाँच सौ शब्द (500 words)	60
Any remarks/ suggestions:		

अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

भाग-अ, परिचय Part A Introduction			
कार्यक्रम : उपाधि पाठ्यक्रम Program : Degree Course	कक्षा (Class) : आचार्य एकवार्षिक (Acharya 1 year)	सत्रार्द्ध : द्वितीय Semester : II	सत्र (Session): 2025-26

विषय (Subject) : फलितज्योतिषम्		
1	पाठ्यक्रम का कूट (Course Code)	PGT-FJY 44
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title)	(CC- 44) कृषिविमर्शः चतुर्थप्रश्नपत्रम्
3	पाठ्यक्रम का प्रकार (Course Type) (Core Course/ Discipline Specific Elective/ Elective/ Generic Elective /Vocational/.....)	मुख्य विषय (Core Course)
4	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (if any)	विश्वविद्यालयानुदानायोग-नवदेहलीद्वारा प्राप्तमान्यताविश्वविद्यालयस्य संस्थानस्य वा फलितज्योतिषविषये आचार्यतृतीयसत्रार्द्धपरीक्षोत्तीर्णाः प्रवेष्टुमर्हाः।
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियाँ (Course Learning outcomes) (CLO)	1. भारतीयकृषिपद्धतेः ज्ञानं भविष्यन्ति । 2. विविधस्थलभेदेन कृषिपद्धतीन् अनुकरणे सक्षमाः भविष्यन्ति । 3. मुहूर्तादिकृषिप्रक्रियायां कुशलाः भविष्यन्ति ।
6	क्रेडिट मान (Credit Value)	5

अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

7	पूर्णांक (Total Marks)	Max. Marks: 40 + 60	Min. Passing Marks: 35

भाग-ब, पाठ्यक्रम की विषय वस्तु

Part B- Content of the Course

व्याख्यान की सम्पूर्ण सङ्ख्या (प्रतिसप्ताह पाँच कालांश)

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 5

सम्पूर्ण व्याख्यान काल- पचहत्तर घण्टे (75 hours)

L-T-P: 5-0-0

इकाई (Unit)	शीर्षक (Topics)	व्याख्यान संख्या No. of Lectures 1 घण्टा (1 Hour Each)
1	भारतीयकृषेः इतिहासः **वैदिकसन्दर्भः** – इन्द्र-वरुण-नदी-पृथिव्यादि (अथर्ववेदः) सूक्तिषु कृषेः प्रमाणम् **प्राचीनकृषिशास्त्रीय ग्रन्थानां परिचयः** – कृषिपराशरः, सुरपालकृत वृक्षायुर्वेदः, उपवनविनोदः, कश्यपकृषिसूत्रम् **गतिविधयः-** भारते कृषिपद्धत्युपरि निबन्धलेखनम् ।	15
2	**कृषिपरिचयः** **कृषिपराशरः-** कृषेर्महत्त्वम्, संवत्सरपतिफलम्, हलारम्भः, बीजस्थापनं संरक्षणञ्च, बीजवपनम्, धान्यमर्दनम् (निंदाई), निस्तृणीकरणम्, अतिरिक्तजलमोक्षणम्, धान्यस्थापनम् **मुहूर्तचिन्तामणिः -**	15

अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

	नक्षत्रप्रकरणम्- नक्षत्राणां ध्रुवादि तथा च अधोमुखादि सञ्ज्ञा, लतापादपरोपणम्, हलप्रवहणम्, बीजोप्तिः, धान्यच्छेदनम्, कणमर्दनम् (थ्रेसिंग), धान्यस्थितेः महूर्तः, हलचक्रम् तथा च फणिचक्रम् (हलप्रवहण-बीजवपने च उपयोगी) **गतिविधयः-** बीजवपनप्रक्रियायाः प्रायोगिकमन्वेषणम् । हलप्रवहणस्य व्यावहारिकप्रयोगः ।	
3	**भूमिगत जलज्ञानं जलप्रबन्धनञ्च** **विष्णुधर्मोत्तरपुराणम्** 3/296- जलाशयमहत्त्वम्, 3/298- जलसंरक्षणं स्वच्छता च **समराङ्गणसूत्रधारः** **भूमिपरीक्षाध्यायः** जाङ्गल- अनूप - साधारणादि भूमीनां लक्षणम् **बृहत्संहिता- दकार्गलाध्यायः** **गतिविधयः-** जलप्रबन्धनस्य आदर्श निर्माणम् । भूपरीक्षणविषयोपरि निबन्धलेखनम् ।	15
4	**कृषिप्रबन्धन** **अर्थशास्त्रम्-** **प्रकरणम् 40/24-**(वृष्टिमात्रा, भूमिः ,विविधधान्यादीनां संरक्षणविधिः) **प्रकरणम् 17/01** कृषिसंरक्षणं शासन-प्रशासनादीनां भूमिका **बृहत्संहिता-** **सस्यजातकाध्यायः-** वृष-वृश्चिक सूर्यसङ्क्रान्तयोः शस्यानां शुभाशुभविचारः	15

ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

	द्रव्यनिश्चयाध्यायः- राशिसम्बद्धं शस्यफलम् **आषाढीयोगाध्यायः** शस्यानामुत्पत्ति मूल्यनिर्धारणञ्च **गतिविधयः-** कृषिसंरक्षणे प्रशासनस्य भूमिका इति विषयोपरि निबन्धलेखनम् । धान्यसंरक्षणोपरि निबन्धलेखनम् ।	
5	**वृष्टिविचारः** **कादम्बिनी-** **गर्भाध्यायः-** मेघगर्भ (मेघोत्पत्तिः) लक्षणं, प्रसवकालः, गर्भोपघातकाः, गर्भदोहदाः **द्वादशमासिकाध्यायः-** विविधमासेषु वृष्टिज्ञानम्, रोहिणी विचारः, पवनधारणा, आषाढ़ी परीक्षा **अद्भुतसागर –** वाताद्भुतावर्त्तः, मेघाद्भुतावर्त्तः, मेघानां गर्भाद्भुतावर्त्तः, प्रवर्षणाद्भुतावर्त्तः, अतिवृष्ट्याद्यद्भुतावर्त्तः **गतिविधयः-** विविधमासेषु वृष्टेः समयसारिणी निर्माणम् । मेघगर्भलक्षणविषयोपरि निबन्धलेखनम् ।	15
कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tages) : भारतीयकृषिः, हलारम्भः, बीजवपनम्, वृष्टिः, मेघगर्भः, पवनधारणा ।		
भाग-स, अनुशंसित अध्ययन संसाधन **(Part C-Learning Resources)**		
पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्य संसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)		

अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

सन्दर्भग्रन्थाः –

1. कृषिपराशर- पराशर- अनु.&सम्पा.- द्वारकाप्रसाद शास्त्री- चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी, 2003
2. मुहूर्तचिन्तामणि- रामदैवज्ञ- टीका.- केदारदत्त जोशी- मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी, 1979
3. अर्थशास्त्र- कौटिल्य- टीका.- वाचस्पति गैरोला- चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2003
4. बृहत्संहिता- वराहमिहिर- टीका.- अच्युतानन्द झा, चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी, 2005
5. विष्णुधर्मोत्तर पुराण- टीका. शिवप्रसाद द्विवेदी- चौखम्बा सुरभारती, वाराणसी, 2016
6. समराङ्गणसूत्रधार- भोजदेव- टीका.- श्रीकृष्ण जुगनू/प्रो. भँवर शर्मा- चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी, 2017
7. कादम्बिनी – पं. मधुसूदन ओझा – हरिमोहन प्रिंटिंग प्रेस, पुरानी बस्ती, जयपुर सिटी
8. अद्भुतसागर पूर्वार्द्धः – डॉ. शिवाकान्त झा , चौखम्बा सुरभारती, वाराणसी

साहाय्यग्रन्थाः –

9. वराहमिहिर- जल जीवन है- पं ईशनारायण जोशी- स्वराज संस्थान सञ्चालनालय, भोपाल, 2004
10. प्राच्यभारतीयम् ऋतुविज्ञानम्- डा धुनीराम त्रिपाठी- सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी, 2002
11. आचार्य वराहमिहिर का ज्योतिष में योगदान- डॉ. भोजराज द्विवेदी, रंजन पब्लिकेशन, दिल्ली, 2002

Suggestive digital platforms/ web links-

अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाइन-पाठ्यक्रम Suggested equivalent online courses: 1. Sanskrit.inira.fr/ 2. learnsanskrit.cc/index 3.sanskrit.samskrutam.com 4.swayam.gov.in

भाग- द, अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Part D-Assessment and Evaluation)		
अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी पूर्णाङ्क (Maximum Marks) : 100 सतत व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE) : 40 Marks विश्वविद्यालयीय परीक्षाङ्क (University Exam) (UE): 60 Marks		
आन्तरिक मूल्याङ्कन (Internal Assessment) : सतत व्यापक मूल्याङ्कन (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE)	कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि (Class Test Assignment/Presentation)	40
बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) : : 03:00 विश्वविद्यालयीय परीक्षा University Exam Section	अनुभाग अ – पाँच बहुविकल्पीय प्रश्न Section(A) : 5 Very Short Questions अनुभाग ब – पाँच लघूत्तरीय प्रश्न	60

अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

समयः (Time) : 03.00 घण्टा (Hours)	**Section (B) :** 5 Short Questions प्रत्येक दो सौ शब्द (200 words) अनुभाग स – पाँच दीर्घोत्तरीय प्रश्न **Section (C) :** 5 Long Questions प्रत्येक पाँच सौ शब्द (500 words)	
Any remarks/ suggestions:		

अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)